Raj Express (Indore), 09th March 2024, Page – 01 and 08

मध्य प्रदेश में आईआईटी की तर्ज पर विकसित होंगे इंजीनियरिंग कॉलेज

उज्जैन में डीप-टेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर का हुआ उद्घाटन, सीएम ने कहा- सैटेलाइट परिसर की स्थापना से प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को नई दिशा मिलेगी

● भोपाल / प्रसं

भोपाल, प्रसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति जीवंत और अनुसंधानात्मक हैं। संस्कृति की इसी विशेषता से हमारे यहां निरंतर हजारों वर्षों से रिसर्च को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। हमारा संकल्प है कि मध्य प्रदेश में आईआईटी की तर्ज पर प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज विकसित किए जाएंगे। आईआईटी के समान कैंपस तैयार किए जाएंगे। आईआईटी से हो रहे ज्ञान के प्रसार को इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी भी सीख सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से भारत को तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी देश बनाने के प्रयासों को गति मिली है। सैटेलाइट परिसर की स्थापना से मप्र में तकनीकी शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार को उज्जैन के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता अनुभावतमक विद्यार्जन (डीप-टेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर) केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में तीन अत्याधुनिक लैब खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी धरोहर व नवाचार केंद्र, लेजर इंजीनियरिंग लैब और मेकर स्पेस लैब का उद्घाटन किया। (शेष पेज 8 पर)

मप्र में इंदौर-उज्जैन कॉरिडोर ज्ञान परंपरा का नेतृत्व करें

केंद्रीय मंत्री शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय धर्मेंद्र प्रधान ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश को नवीन ज्ञान परंपरा के केंद्र बनाया जाएगा। मप्र को नई ज्ञान परम्परा का केन्द्र बनाने के लिए इंदौर और उज्जैन कॉरिडोर इसका नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि आईआईटी इंदौर विस्तृत रोडमैप तैयार कर इसका क्रियान्वयन कराएं। आईआईटी इंदौर का यह डीपटेक रिसर्च सेंटर नई शिक्षा नीति के क्रियान्वन का एक उदाहरण है, जो नवाचारों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश-वासियों का लोहा संसार मान रहा है। प्रदेश के लोगों ने विज्ञान के क्षेत्र में विदेशों में भी सफलता की झंडे गाड़े हैं। मप्र के लोगों के रग-रग में शोध, अनुसंधान और नवाचार समाया हुआ है। इन नवाचारों को उचित प्लेटफॉर्म प्रदान कर उनका भविष्य के उपयोग के लिए क्रियान्वयन किया जाए।

Contd. Page-08

मध्य प्रदेश में आईआईटी की...

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक परंपरा को हमारे यहां ऋषि परंपरा के नाम से जाना जाता है, जिसमें वैज्ञानिकता के आधार पर ज्ञान को सुस्थापित किया गया है। हमारी समृद्ध संस्कृति, ऋषि परंपरा को नष्ट करने के अनेक प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में डीपटेक एवं रिसर्च सेंटर का उद्घाटन विक्रमोत्सव का हिस्सा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में मप्र ही नहीं, बल्कि समूचे भारत वर्ष में भारतीय ज्ञान परंपरा की ध्वजा लहरा रही है। खगोल विज्ञान में उज्जैन का विशेष महत्व है। भगवान महाकाल की नगरी से विज्ञान की धारा प्रवाहित हो रही है। उज्जैन विज्ञान की नगरी के नाम से दुनिया में स्थापित होगा।